

# एफआईटी व एनईएफआईटी ने गरीबों की सहायता के लिए 50 करोड़ रुपये दिये : सीएस घोष

विजयकाश (लखनऊ)

समाजसेवी 2001 में बैंग सिंह जी ने एक फैलावती संघरण (सामिटों) के रूप में अपने पांच सम्प्रदाय की उपलब्धि विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया। इसका नियमित विभाग के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

2011 में जब बैंग सिंह जी, लोकाली वीर समीक्षाली, बैंग व अधिकारी बींग बैंग विभागों में जुड़ा गया है औ वहाँ व वहाँ इनके लिए अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## सामिटों का उद्घाटन दिन के लिए दिया गया था

इसके उद्घाटन दिन के उपरान्त अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## नई दिन का उद्घाटन दिन के लिए दिया गया था

इसके उद्घाटन दिन के उपरान्त अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य विभागों के बीच अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अब ही नवी 50,00,00,000 रुपये लोकों वीर समीक्षाली अधिकारियों व लोगों के बीच अपनी सहायता की जल्दी साझा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।